

प्रेषक,

एम0सी0 उप्रेती,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 04 जनवरी, 2011
दिसम्बर, 2010

विषय: एकीकृत हथकरघा विकास योजनान्तर्गत हथकरघा बुनकरों एवं छीपियों की कल्याणकारी योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:4287/उ0नि/02/19/बजट/2010-11 दिनांक 09.11.2010 एवं शासनादेश संख्या:1974/VII-II-10/24-उद्योग/2008 दिनांक 6.7.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु हथकरघा बुनकरों एवं छीपियों की कल्याणकारी योजना हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹ 150.00 लाख (₹ एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त योजना पर धनराशि का व्यय भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे करने से बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय में मितव्ययता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों अथवा आदेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- स्वीकृत धनराशि का आहरण भारत सरकार द्वारा उक्त योजना हेतु समय-समय पर अवमुक्त की गयी धनराशि के सापेक्ष ही केन्द्रांश तथा राज्यांश का आहरण किया जायेगा। व्यय की गयी धनराशि का विवरण भी समय-समय पर वित्त विभाग/प्रशासनिक विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

4- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा, और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा, यदि नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

5- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 187/XXVII/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि का दिनांक: 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा, तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन एवं भारत सरकार को उपलब्ध कराया जायेगा, यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दी जायेगी। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा जिस हेतु यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 08-हथकरघा बुनकरों एवं छीपियों की कल्याणकारी योजनायें, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या:659/XXVII(2)/2010, दिनांक: 28 दिसम्बर 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0सी0 उप्रेती)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 3774 / VII-II-10 / 24-उद्योग / 2008 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
5. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
7. विकास आयुक्त, हथकरघा वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(एम0सी0 उप्रेती)
अपर सचिव।